आत्मनिर्भर होगा राज्य **यूपी की शुगर मिलें 1,100 मेगावाट बिजली पैदा कर रही हैं, इनमें 2,000 मेगावाट बिजली पैदा करने की है क्षमता**

शुगर मिलों की बिजली से दूर होगा उत्तर प्रदेश का अंधियारा

[ईटी ब्यूरो *लखनऊ*]

उत्तर प्रदेश के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (शुगर इंडस्ट्रीज और गन्ना) राहुल भटनागर ने कहा है कि राज्य में 111 निजी और 24 को-ऑपरेटिव शुगर मिलें हैं। इनमें से केवल 58 ही को-जेनेरेशन आधार पर बिजली पैदा कर रही हैं। ये मिलें मिलकर 1,100 मेगावाट बिजली पैदा कर रही हैं। इसे बढ़ाकर कम से कम 2,000 मेगावाट किया जा सकता है। इससे यूपी को बिजली संकट से उबारने में बड़ी मदद मिलेगी।

भटनागर ने कहा कि राज्य में किसानों की इनकम बढ़ने से ही शुगर इंडस्ट्री का डेवलपमेंट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 2003-04 से लेकर 2011-12 के बीच शुगर मिलों की पेराई क्षमता 4 लाख टीसीडी से बढ़कर 7.5 लाख टीसीडी हो गई है। इससे राज्य में इंडस्ट्री की ग्रोथ का पता चलता है। पूर्वी यूपी में भी नई शुगर मिलों को स्थापित करने की क्षमता है। सरकार ने क्षेत्र की सभी परियोजनाओं को हरसंभव मदद देने का फैसला किया है। उन्होंने सीआईआई द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस 'शुगरटेक 2012' में यह बात कही। राज्य के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (एक्साइज) जे पी शर्मा ने कहा, 'इंडस्ट्री की ग्रोथ में शुगर इंडस्ट्री के बाय-प्रोडक्ट्स की अहम भूमिका हो गई है। बाय-प्रोडक्ट्स बिजनेस के कारोबार को इसी से समझा जा सकता है कि हर सीजन में 400-500 लाख क्विंटल शीरा की उपलब्धता है।'

डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीईओ बी बी मेहता का कहना है, 'इंडस्ट्री लीडर्स और सरकार को साथ मिलकर शुगर इंडस्ट्री के सस्टेनेबल डेवलपमेंट और नई संभावनाओं पर काम करना चाहिए। यह वक्त की जरूरत है। दुर्भाग्य से शुगर इंडस्ट्री का अपने भविष्य पर कोई कंट्रोल नहीं है।' शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसटीएआई) के प्रेसिडेंट और सिंभावली शुगर्स लिमिटेड के सीईओ डॉ जी एस सी राव ने कहा कि यूपी में शुगर अकेली इंडस्ट्री है, जिसने मुश्किल हालात के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि अब शुगर को डीकंट्रोल करने की जरूरत है।

सीआईआई के यूपी स्टेट काउंसिल के चेयरमैन आलोक सक्सेना ने कहा कि शुगर इंडस्ट्री से देश की रूरल इकनॉमी को फायदा मिल रहा है। इससे देश के पांच करोड़ किसानों और उनके परिवारों को फायदा हो रहा है।

"उत्तर प्रदेश में 111 निजी और 24 को-ऑपरेटिव शुगर मिलें हैं। इनमें से केवल 58 ही को-जेनेरेशन आधार पर बिजली पैदा कर रही हैं। ये मिलें मिलकर 1,100 मेगावाट बिजली पैदा कर रही हैं। इसे बढ़ाकर कम से कम 2,000 मेगावाट किया जा सकता है

विजय प्रकाश, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल